

1. भूपर्फी में सबसे अधिक पापा धान बाला होता है -

- (A) आंखीपन  
(C) हाथीपन

- (B) सिलिकोन  
(D) रत्नमीविम

2. भूपर्फी और प्रावार या मॉल के बीच की सीमा छहलाती है -

- (A) प्रवाल (B) कॉनराइटेंटल (C) मोहा (D) रैपरी

3. कॉड और प्रावार (Mantle) के बीच की सीमा छहलाती है :

- (A) लेहगेन असांतल्प (B) विचार्ट-ग्रैटेनबर्ग असांतल्प (C) कॉनराइटेंटल

4. समूर्झ पृथकी का औसत धनत है :

- (A) 2.5 (B) 5.5 (C) 6.0 (D) 5.0

5. बाहरी कॉड तरल है यह निम्न में से किस तरफ से विदित है

1. पृथकी का सुकृत शॉलन इलाई लिए जाए प्रमाण देता है।
2. P-तरंगों परावर्तित हो जाती है।
3. L-तरंगों परासरित हो जाती है।
4. बाल कॉड में प्रवेश करने के पश्चात् D-तरंग अद्यत हो जाती है।

- (A) 1 और 4 सहै है (B) 1 और 3 सहै है (C) 1 और 2 सहै है

6. पृथकी की आनारिक संरचना का लक प्राप्त होता है -

1. गहराई के साथ धनत के अंतर के अद्यपन से

2. भूकम्प मापन

3. पृथकी का लोहन 4. खंगाल

- (A) 1 और 2 (B) 2 और 3 (C) 2,3,4 (D) 1,2,3

7. प्रवार और पपड़ी का कुरिमत कठोर भाग होता है

- (A) दुर्बल मेंडल (B) जल मंडल (C) स्थलमंडल (D) महाक्षेपिय घटक

8. दुर्बलता मॉडल जिसके ऊपर स्थलमंडल तैरता रहता है बना होता है

- (A) फिरिडार्ट (B) वेसालर (C) रापोलार्ट (D) ब्रॉक्स

9. सागरीय वैसिन वीची की पर्फी बनी होती है :

- (A) ग्रेनार्ट पहान (B) वेसालर पहान (C) अवसादी पहान (D) रूपान्तरित पहान

10. भूकंपीय तरंग कॉड की जाती है :

- (A) सीर-मीट्राफ या श्वेतमाली छारा (B) लॉरीगीटर या दाकमाली छारा

- (C) हाइड्रोग्राफ छारा (D) बेंटोग्राफ छारा

11. वह शूक्रपीप तरंग जिनमें केपन की दिशा संपर्क की दिशा में होती है कहा जाता है

- (a) लव तरंग (b) प्राथमिक तरंग (c) द्वितीय तरंग (d) दृतीय तरंग

12. शूक्रपीप तरंगों जिनकी गति अनुपस्थि होती है क्या कहलाती है

- (a) प्राथमिक तरंग (b) द्वितीय तरंग (c) दृतीय तरंग (d) नहीं नहीं

13. इकट्ठर वीमानों पर 8 से 16 माप की शूक्रपीप की ऊँचाई में डॉटर होता है :-  $\frac{1}{4}$  वीमानों पर (a) 2 (b) 5 (c) 10 (d) 100

14. स्वैस की अनुसार

- (i) पूर्वी की रासायनिक संस्थना की लिख में बताया  
(ii) पूर्वी की तीन परतों (iii) सिपाल (iv) सीमा (v) निक में बांध  
(vi) सिपाल की स्थना ग्रनारट है, सीमा की स्थना बेसलट है, निक की स्थना निक है  
(vii) औसत घनता 2.9 सिपाल, 2.9 से 4.7 सीमा, निक का औसत घनता 1.1 है
- (a) (i) एवं (ii) (b) (i) एवं (iii) (c) ii एवं iii (d) सभी

15. (i) डाली की अनुसार तीन परतें (a) बाहरी परत की मोटाई 1000 मील (1600 Km)  
(b) अद्यतवर्ती परत मोटाई 800 मील (1280 Km) (c) कैन्टीप्रेशन 4400 मील (7040 Km)

- (ii) ज़ेफरीज शूक्रपीप लक्टों के आधार पर चार परतों में - प्रथम, द्वितीय, दृतीय, चौथी  
(iii) इमर्स की दो परतें मानी गयी ग्रहण करते हैं, इसका सबस्ट्रॉटम  
(iv) बानर ऊर ग्राम के ग्रैटेनवर्ड और लिंग के प्रपांत के आधार पर चार परतें  
(v) उपरीकरण (सिपाल) (vi) आंतरिक (सीमा) (vii) निक के तथा निष्ठानुक्रमों (viii) थारु कंडा

.Ans - सभी ४ यनरोडी हैं

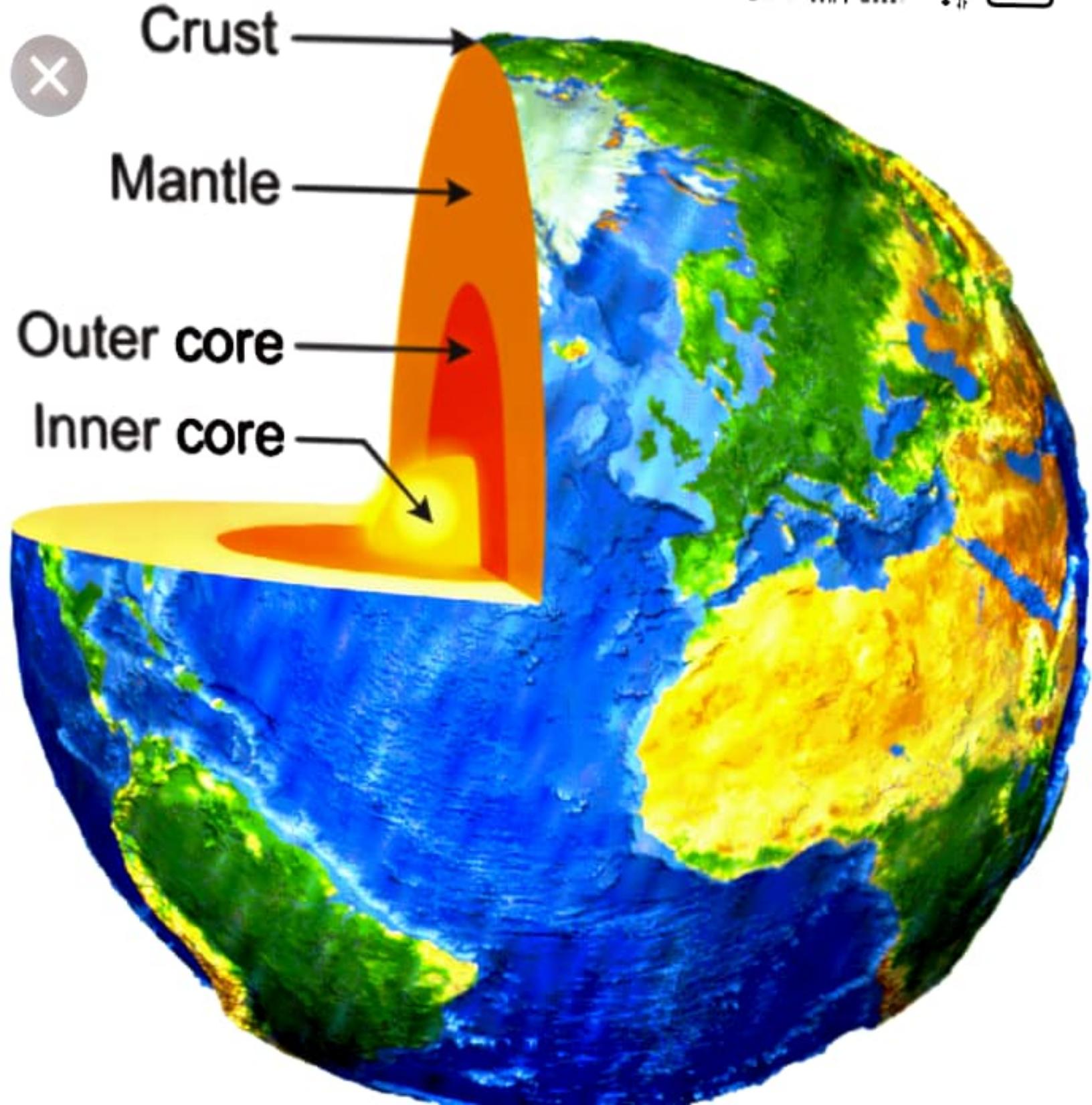
16. स्थलमोड़ल (प्राथमिकी) गहराई है (i) 100 Km (ii) 200 Km (iii) 300 Km (iv) 400 Km

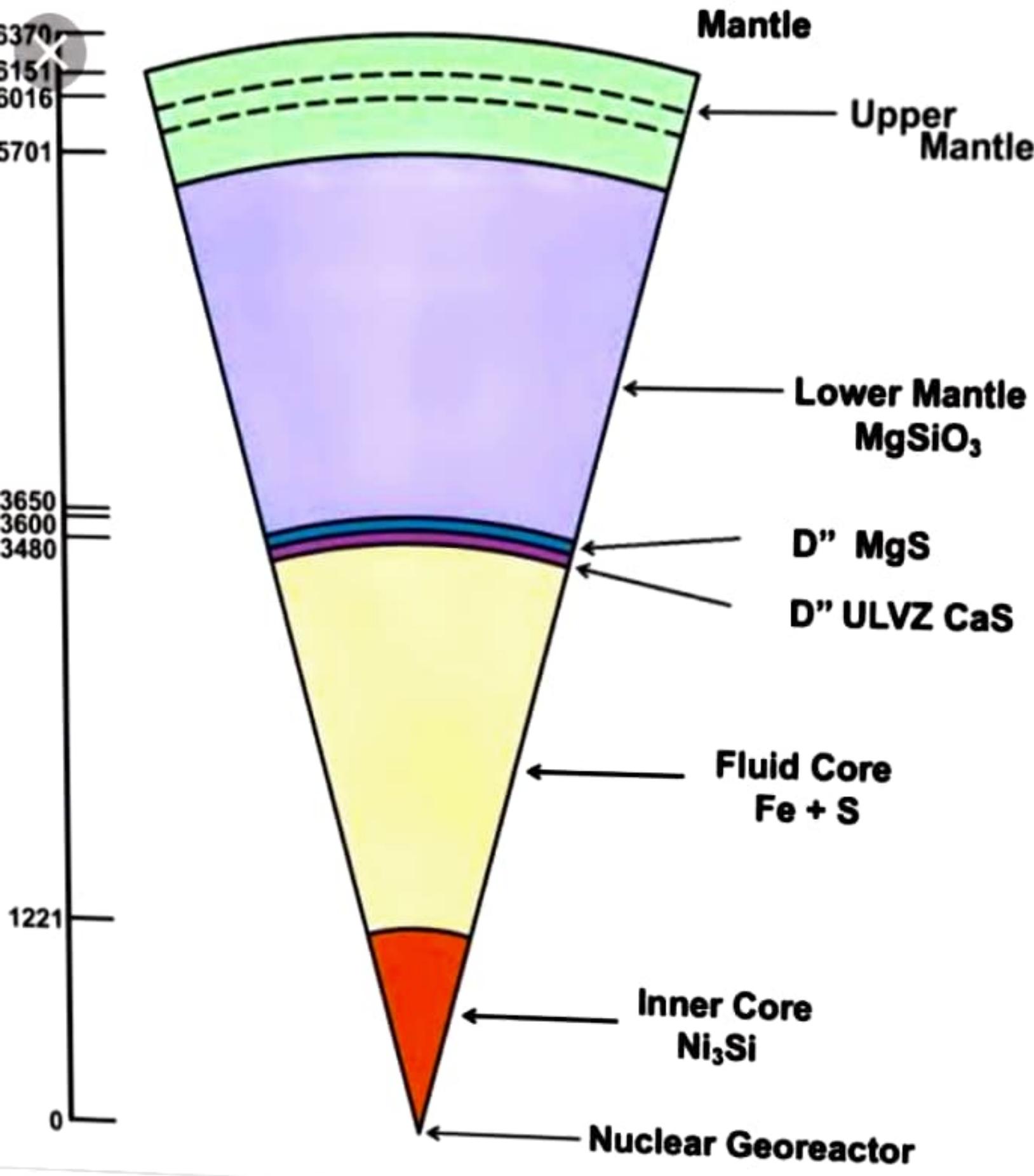
पाइरोस्फीपर (प्राथमिकी) गहराई है (i) 100 से 2880 Km (ii) 100 से 2000

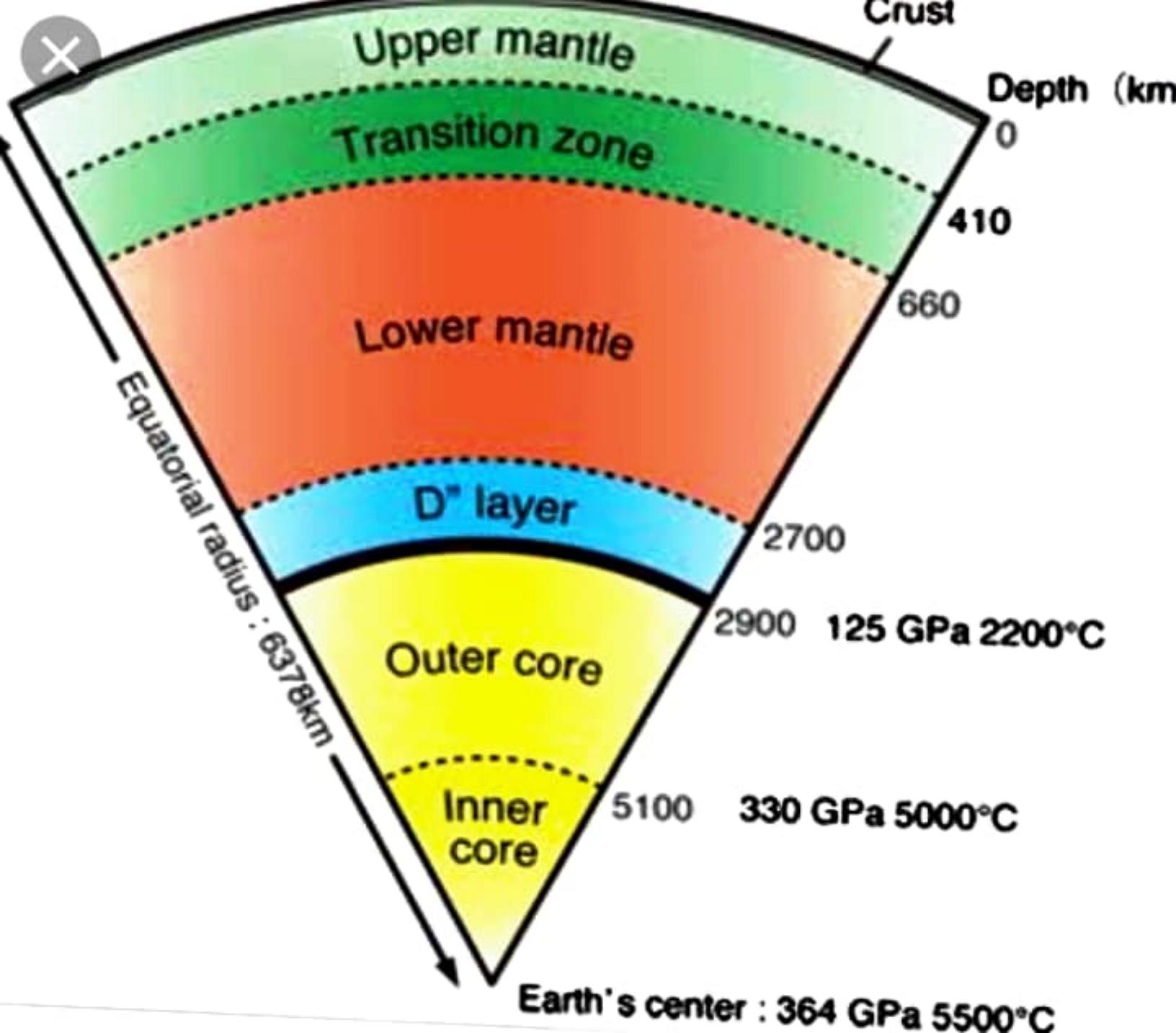
झीरीटकीपर की गहराई है (i) 2880 Km (ii) 2000 Km (iii) 8000 Km

17. मोहो असम्भवता, जी रवाज निसन की (i) A. Mohorovicic (ii) Brondbyius (iii) Abbot (iv) Gektthorop

18. मोहो असम्भवता कब रवाज गया (i) 1905 ई. (ii) 1900 ई. (iii) 1890

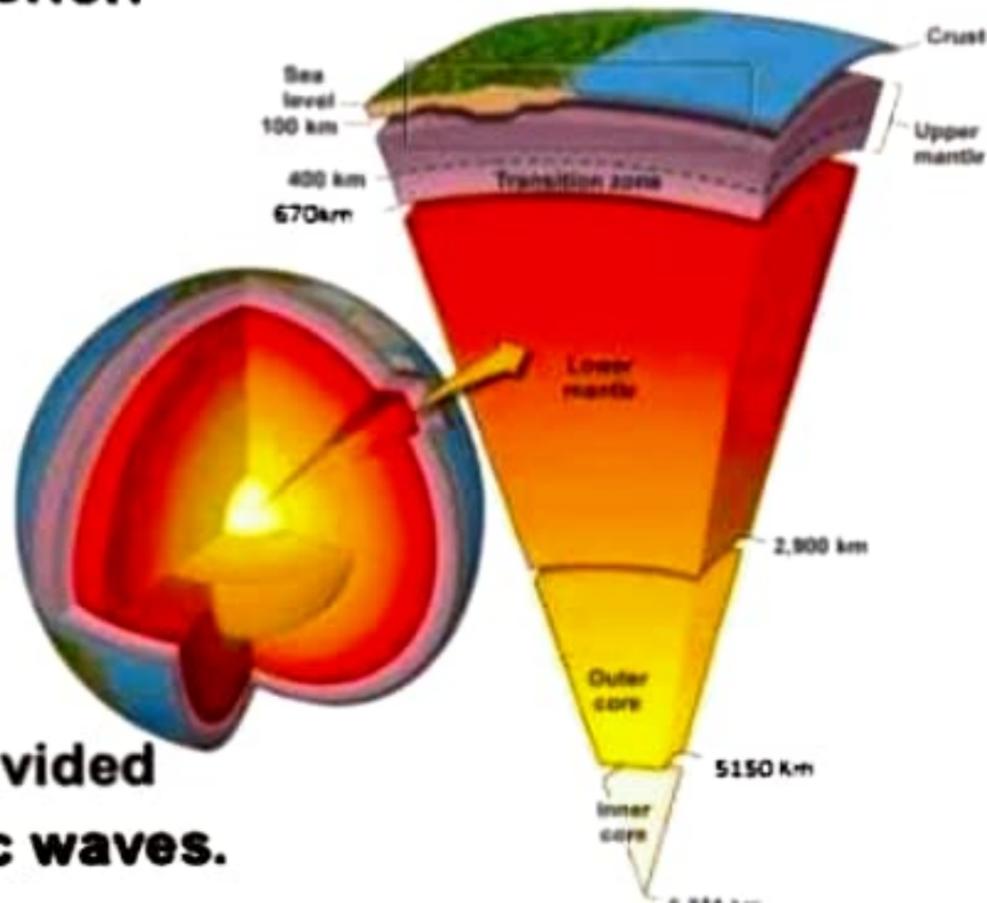






## ■ Earth has a layered interior.

- **Crust**
  - ▶ Continental
  - ▶ Oceanic
- **Mantle**
  - ▶ Upper
  - ▶ Transitional
  - ▶ Lower
- **Core**
  - ▶ Outer—liquid
  - ▶ Inner—solid



## ■ These layers are subdivided on the basis of seismic waves.

# STRUCTURE OF THE EARTH

